bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org संवत 2081 युगाब्द 5126 कुल पृष्ठ –32, जून प्रथम 2024, वर्ष – 34, अंक – 21

वर्तमान कमल ज्योति

₹20

उत्तर प्रदेश सरकार

लोकसभा
चुनाव-2024

वर्तमान
कमल ज्योति
संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय
कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक
नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

नमन!

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हज़ार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

सम्पादकीय

संकल्प की नई ऊर्जा

भारतीय लोकतंत्र में भाजपा की श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार पुनः बनी। दुनिया में भारत की शक्ति बढ़ती जा रही है। विश्व की अनेक ताकतें जिससे दुःखी होकर मोदी को सत्ता से हटाने के भी प्रयत्न किये। लेकिन अनेक चुनौतियों के बाद भी सरकार बनी। मोदी जी पुनः प्रधानमंत्री बनें। पदभार ग्रहण करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का मतलब है शक्ति, समर्पण और संकल्प की नई ऊर्जा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पीएमओ समर्पण के साथ लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है। अकेले मोदी ही सरकार नहीं चलाते, बल्कि हजारों लोग एक साथ मिलकर जिम्मेदारी उठाते हैं और परिणामस्वरूप, नागरिक ही इसकी क्षमताओं की भव्यता के साक्षी बनते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम में शामिल लोगों के पास समय की कोई बाध्यता नहीं है, सोचने की कोई सीमा नहीं है और न ही प्रयास करने के लिए कोई निर्धारित मानदंड हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश को इस टीम पर भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपनी टीम का हिस्सा रहे लोगों को धन्यवाद दिया और उन लोगों का भी आह्वान किया जो अगले 5 वर्षों के लिए विकसित भारत की यात्रा में शामिल होना चाहते हैं और राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के इरादे के साथ 'राष्ट्र प्रथम' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।" इस दौरान पीएम ने कहा कि उनका हर पल राष्ट्र का है।

इच्छा और स्थायित्व का जोड़ दृढ़ संकल्प बनाता है, जबकि दृढ़ संकल्प के साथ कड़ी मेहनत करने पर सफलता मिलती है। अगर किसी की इच्छा स्थायी है, तो वह संकल्प का रूप ले लेती है, जबकि लगातार बदलती इच्छा केवल एक लहर है।

प्रधानमंत्री ने देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की और अपनी टीम को भविष्य में पिछले 10 वर्षों के काम से बेहतर प्रदर्शन करते हुए वैश्विक मानदंड से आगे निकल जाने के लिए प्रेरित किया। पीएम मोदी ने कहा, "हमें देश को उन ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए, जिसे किसी अन्य देश ने कभी हासिल नहीं किया है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि सफलता के लिए विचारों की स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और काम करने की ललक जरूरी हैं। "अगर हमारे पास ये तीन चीजें हैं, तो मुझे नहीं लगता कि सफलता नहीं मिलेगी।" भारत सरकार के कर्मचारी सरकार की उपलब्धियों में बड़ी हिस्सेदारी के हकदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "इन चुनावों ने सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों पर मुहर लगाई है। उन्होंने अपनी टीम को नए विचार विकसित करने और काम के पैमाने को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प पर मोदी सरकार पुनः आगे बढ़ रही। शुभकामनायें।

bjpkamaljyoti@gmail.com

नरेन्द्र मोदी मंत्रीमंडल का शपथ ग्रहण

भारतीय लोकतंत्र में एक नया उध्याय और जुड़ा। सकुशल सम्पन्न चुनाव के बाद एनडीए की सरकार का पुनः गठन हुआ। नरेंद्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पीएम मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के अलावा भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ शामिल हुए। इसके साथ ही देष के साधुसंत, ख्यातिलब्ध साहित्यकार, समाजसेवी, समाजिक कार्यकर्ताओं ने भी शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने नये केंद्रीय मंत्रिपरिषद को ''युवाओं और अनुभवी लोगों का बेहतरीन मिश्रण'' बताया और कहा कि लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 140 करोड़ भारतीयों की सेवा करने और भारत को प्रगति की नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मंत्रिपरिषद के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं।''

नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, ''मंत्रियों की यह टीम युवा और अनुभवी लोगों का बेहतरीन मिश्रण है। हम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।''

शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 140 करोड़ भारतीयों की सेवा करने और भारत को प्रगति की नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मंत्रिपरिषद के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं।''

नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, ''मंत्रियों की यह टीम युवा और अनुभवी लोगों का बेहतरीन मिश्रण है। हम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' तपती गर्मी की सुरमई शाम में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में भव्य शपथ ग्रहण हुआ।

मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए विदेशी गणमान्य व्यक्तियों का भी आभार जताया।

वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि राष्ट्र 'विकसित भारत' के निर्माण के अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा के अगले

चरण में प्रवेश कर रहा है। शाह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ–साथ गरीबों और किसानों के उत्थान की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत के लिए एक अविस्मरणीय दिन... श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की बहुत–बहुत बधाई। आज हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं।''

उन्होंने आगे लिखा कि, ''मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ–साथ गरीबों और किसानों के उत्थान के लिए कटिबद्ध रहेगी और पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण को एकता के सूत्र में बाँधकर सशक्त भारत का निर्माण करेगी।''

इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धानखड़, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी और 30 कैबिनेट मंत्रियों, 5 स्व तंत्र प्रभार वाले मंत्रियों और 36 राज्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, रजनीकांत, . उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत करने वालों में शामिल थे. साथ ही अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत भी नजर आई। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा नीत एनडीए के खाते में 293 सीटें आई हैं। जबकि, इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने 234 सीटों पर जीत दर्ज की. वहीं, अन्य के खाते में 17 सीटें आई. भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने 240 सीटों पर जीत हासिल की है। शपथ ग्रहण के बाद से ही नरेन्द्र मोदी मंत्री मण्डल अपने संकल्पों के साथ सेवा कार्य में जुट गया। पहला कार्य प्रधानमंत्री ने किसानों की राशी जारी किया अपनी गारण्टी के एक–एक संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार कटिबद्ध दिख रही है।

मोदी 3.0 में किसे कौन सा मिला मंत्रालय

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के शपथ–ग्रहण समारोह के लगभग 24 घंटे बाद विभागों का बंटवारा हो गया है।पीएम मोदी ने एक बार फिर अमित शाह को गृह मंत्रालय और सहकारिता मंत्रालय दिया है।राजनाथ सिंह को भी फिर से रक्षा मंत्री बनाया गया है।नितिन गडकरी को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री बनाया गया है,जबकि एस जयशंकर मोदी 3.0 में विदेश मंत्री बनाए गए हैं।अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री होंगे। जेपी नड्डा नए स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं।

LJP (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान खेल मंत्री बनाए गए हैं। हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर को दो मंत्रालय दिए गया हैं। खट्टर आवास और ऊर्जा मंत्रालय संभालेंगे। श्रीपद नाइक ऊर्जा राज्य मंत्री बनाए गए हैं, तोखम साहू आवास राज्य मंत्री होंगे।पीयूष गोयल उद्योग और वाणिज्य मंत्री बनाए गए हैं।

मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय सौंपा गया है। शिवराज सिंह चौहान पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री भी बनाए गए हैं। मोदी सरकार 2.0 में रेल मंत्रालय संभालने वाले अश्विनी वैष्णव को रेलवे और सूचना व प्रसारण मंत्रालय दिया गया है।

बिहार के पूर्व सीएम और HAM पार्टी के अध्यक्ष जीतन राम मांझी को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय दिया गया है। 79 वर्षीय मांझी मोदी सरकार 3.0 में के सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं। शोभा करंदलाजे राज्य मंत्री बनाई गई हैं, निर्मला सीतारमण एक बार फिर से वित्त मंत्री बनाई गई हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू को अल्पसंख्यक मामलों के विभाग में राज्य मंत्री बनाया गया है। वहीं, सुरेश गोपी और राव इंद्रजीत सिंह को संस्कृति व पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है। मनसुख मांडविया को श्रम और रोजगार मंत्री बनाया गया है।

मोदी 3.0 में अन्नपूर्णा देवी यादव को महिला और बाल विकास मंत्री बनाया गया है। अब तक स्मृति ईरानी इस मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। स्मृति अमेठी में कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा से चुनाव हार गई हैं।

बता दें कि रविवार शाम नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा करने वाले मोदी नेहरू के बाद दूसरे नेता हैं। मोदी के साथ–साथ 71

मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार मंत्री और 36 राज्य मंत्री हैं।

मोदी 3.0 में कैबिनेट मंत्री

राजनाथ सिंह– रक्षा मंत्रालय

अमित शाह– गृह मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय

नितिन जयराम गडकरी– सड़क परिवहन, और राजमार्ग मंत्रालय

जगत प्रकाश नड्डा– स्वास्थ्य मंत्रालय, केमिकल फर्टिलाइजर मंत्रालय

शिवराज सिंह चौहान– कृषि और परिवार कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्रालय

निर्मला सीतारमण– वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट अफेयर्स मंत्रालय

एस जयशंकर– विदेश मंत्रालय

मनोहर लाल खट्टर– ऊर्जा, आवास और शहरी मामले

एचडी कुमारस्वामी– भारी उद्योग मंत्री और इस्पात

पीयूष गोयल– वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

धर्मेंद्र प्रधान– शिक्षा मंत्री

जीतन राम मांझी– MSME मंत्रालय

राजीव रंजन सिंह (लल्लन सिंह)– पंचायती राज, मछली, पशुपालन और डेयरी

सर्बानंद सोनोवाल– बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग

वीरेंद्र कुमार – सामाजिक न्याय व अधिकारिता

राममोहन नायडू– नागरिक उड्डयन

प्रह्लाद जोशी– उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, और नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा

जुएल ओरांव– जनजातीय मामले

गिरीराज सिंह– कपड़ा मंत्रालय

अश्विन वैष्णव– रेल, सूचना एवं प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी

ज्योतिरादित्य सिंधिया– संचार, और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास

अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन

अर्जुन राम मेघवाल– कानून और न्याय संसदीय कार्य

प्रतापराव जाधव (शिवसेना शिंदे गुट)– स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और आयुष

जयंत चौधरी (RLD)– शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता

भूपेंद्र यादव– पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन

गजेंद्र सिंह शेखावत– संस्कृति, और पर्यटन

अन्नूपूर्णा देवी– महिला एवं बाल विकास

किरेन रिजिजू– संसदीय कार्य; और अल्पसंख्यक मामले

हरदीप सिंह पुरी– पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

मनसुख मांडविया– श्रम और रोजगार; और युवा मामले और खेल

जी किशन रेड्डी– कोयला, और खनन

चिराग पासवन– खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

सीआर पाटिल– जल शक्ति

मोदी 3.0 के राज्य मंत्री

जतिन प्रसाद– वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री

श्रीपद येसो नाइक– ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री, नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री

पंकज चौधरी– वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री

कृष्ण पाल– सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री

रामदास अठावले– मंत्रालय में राज्य मंत्री

मोदी 3.0 के राज्य मंत्री (स्वतंत्र भार)

राव इंद्रजीत सिंह– योजना, सांख्यकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन और संस्कृति

डॉ. जितेंद्र सिंह– प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा,

दल से बड़ा देश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार को मिले स्पष्ट जनादेश के उपलक्ष्य में पार्टी केंद्रीय कार्यालय विस्तार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी देशवासियों, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन को लोकसभा एवं आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए तथा ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने के लिए आभार व्यक्त किया और देश को विकसित भारत बनाने के अपने लक्ष्य के प्रति अपनी कटिबद्धता व्यक्त करते हुए तीसरे कार्यकाल में देशहित के लिए बड़े निर्णय लेने का आह्वान किया।

आदरणीय प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के इस स्नेह, प्यार और आशीर्वाद के लिए मैं सभी देशवासियों का ऋणी हूं। आज बड़े मंगल के पावन दिन एनडीए की सरकार बननी तय है। देशवासियों ने भाजपा और एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है एवं आज की ये विजय विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये जीत भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा, विकसित भारत के प्रण, सबका साथ सबका विकास के मंत्र और 140 करोड़ भारतीयों की जीत है।

आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ - सबका विकास के मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है।

श्री मोदी ने कहा कि चुनाव आयोग ने लगभग 100 करोड़ मतदाताओं, 11 लाख पोलिंग स्टेशनों, 1.5 करोड़ मतदान कर्मियों और 55 लाख वोटिंग मशीनों के साथ विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनाव को इतनी प्रचंड गर्मी में कुशलता से संपन्न किया है। भारत की चुनावी प्रक्रिया और इस चुनावी प्रक्रिया की प्रमाणिकता पर हर भारतीय को गर्व है। भारत के इन्फ्लुएंसर्स और ओपिनियन मेकर्स को भारत के लोकतंत्र के इस सामर्थ्य को गर्व से पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत करना चाहिए। जम्मू कश्मीर के मतदाताओं ने इस चुनाव रिकॉर्ड तोड़ मतदान कर जबर्दस्त उत्साह का प्रदर्शन किया है और विश्व में भारत की चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने वालों को आइना दिखाया है। मैं देश के मतदाताओं और जनता जनार्दन को विजय के इस पावन पर्व पर आदरपूर्वक नमन करता हूं। मैं देशभर के सभी दलों और उम्मीदवारों का भी अभिनंदन करता हूं। सभी की सक्रिय भागीदारी के बिना लोकतंत्र के ये विराट सफलता संभव नहीं थी। मैं भाजपा एवं एनडीए के हर कार्यकर्ता साथी को भी धन्यवाद करता हूं।

यशस्वी प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा विरोधी एकजुट होकर

भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए जितनी इस लोकसभा चुनाव में अकेली भाजपा ने जीती हैं। 1962 के बाद पहली बार कोई गैर कांग्रेसी सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार सत्ता में वापस आई है। अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उडीसा और सिक्किम विधानसभा चुनावों में एनडीए को भव्य विजय मिली है एवं कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। भाजपा उड़ीसा में सरकार बनाने जा रही है और यह पहली बार होगा जब महाप्रभु जगन्नाथ की धरती पर भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। भाजपा ने केरल में भी सीट जीती है। केरल के कार्यकर्ताओं ने बहुत बलिदान दिए हैं। कई पीढ़ियों से वो संघर्ष भी करते रहे और जनसामान्य की सेवा भी करते रहे। उन्होंने पीढ़ियों से जिस क्षण की प्रतीक्षा की थी, वो आज सफलत हो रही है। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी की संख्या दोगुनी हो गई है। मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल जैसे कई राज्यों में भाजपा ने लगभग क्लीन स्वीप किया है। मैं इन सभी राज्यों, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभा के मतदाताओं का भी विशेष आभार व्यक्त करता हूं। आंध्र प्रदेश में श्री चंद्र बाबू नायडू जी के नेतृत्व में और बिहार में श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। केन्द्र सरकार इन राज्यों के विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

श्री मोदी ने कहा कि 10 वर्ष पहले देश ने बदलाव के लिए जनादेश दिया था, तब देश निराशा की गर्त में डूब चुका था। प्रतिदिन अखबारों की हेडलाइन घोटालों से भरी रहती थीं, देश की युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर आशंकित थी, ऐसे समय देश ने हमें निराशा के गहरे सागर से आशा का मोती निकालने का जिम्मा सौंपा था। हम सभी ने पूरी ईमानदारी से कार्य किया। 2019 में इसी प्रयास और कार्य पर विश्वास व्यक्त करते हुए देश ने दोबारा एनडीए को प्रचंड जनादेश दिया। एनडीए का दूसरा कार्यकाल विकास और विरासत की गारंटी बन गया। 2024 में इसी गारंटी के साथ हम जन–जन का आशीर्वाद लेने देश के कोने–कोने में गए। आज तीसरी बार जो आशीर्वाद एनडीए को मिला है, मैं इसके लिए जनता के सामने विनय भाव से नतमस्तक हूं।

यशस्वी प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का यह पल मेरे लिए भी भावुक करने वाला पल है। मेरी मां के जाने के बाद ये मेरा पहला चुनाव था लेकिन देश की कोटि कोटि माताओं बहनों ने मुझे मां की कमी नहीं खलने दी। देश की इतिहास में महिलाओं के मतदान के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं और इस प्यार को मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। पिछले 10 वर्षों में देश ने बहुत बड़े फैसले लिए हैं। राष्ट्र प्रथम की भावना हमें असामान्य लक्ष्य हासिल करने का हौसला देती है और हमारे अंदर कुछ कर गुजरने की इच्छा शक्ति उत्पन्न करती है। हमने विश्व की सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजनाएं चलाईं। आजादी के 70 वर्ष बाद 12 करोड़ लोगों को नल से जल, 4 करोड़ गरीबों को पक्के घर, 80 करोड़ जरूरतमंदों को निशुल्क राशन की सुविधा और करोड़ों गरीबों को आयुष्मान भारत का लाभ मिला। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटी और जीएसटी जैसा सुधार हुआ। कोरोना के संकट के समय भी भाजपा ने देशहित और जनहित का फैसला लिया एवं हर दवाब से अलग हटकर कदम उठाए जिसके परिणामस्वरूप आज भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था बन गई है। "राष्ट्र प्रथम" की यही भावना भारत को आत्मनिर्भर बनाएगी। देशवासियों की मेहनत और गर्मी में बहाया गया पसीना मोदी को निरंतर काम करने की प्रेरणा देता है। अगर जनता 10 घंटे काम करेगी तो मोदी 18 घंटे काम करेगा और जनता 2 कदम चलेगी तो मोदी 4 कदम चलेगा। हम भारतीय मिलकर देश को आगे बढ़ाएंगे एवं तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा।

केंद्र की NDA सरकार, सभी राज्य सरकारों के साथ, चाहें वो किसी भी दल की क्यों ना हों, मिलकर काम करेगी। विकसित भारत के लक्ष्य के लिए हम खूब मेहनत करेंगे, जमकर मेहनत करेंगे, हमारे पास रुकने का, थमने का समय नहीं है। ये राष्ट्रनीति के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का समय है।

श्री मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता हमेशा से समाज के हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास की रही है। बीते 10 वर्षों में सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और उसमें भी सबसे अधिक संख्या पिछड़े, दलितों और आदिवासियों की है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक गरीबी देश के अतीत का हिस्सा न हो जाए। महिला केंद्रित विकास, एनडीए सरकार के गवर्नेंस मॉडल के केन्द्र में रहा है। स्पोर्ट्स से स्पेस और उद्यमिता तक हर क्षेत्र में हम माताओं, बहनों और बेटियों को नए अवसर देने के लिए कार्य करेंगे। बीते 10 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हुई, एम्स की संख्या तीन गुनी हुई, स्व–रोजगार और स्टार्टअप में एतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक बना है। अब इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमी कंडक्टर और ऐसे अन्य नए सेक्टरों में और तेजी से कार्य किया जाएगा।

आदरणीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार ने देश के

रक्षा उत्पादों और निर्यात को बढ़ाने का प्रयास किया है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं बन जाता। हम अपने युवाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार हर क्षेत्र में शसक्त करेंगे। किसानों के लिए बीज से बाजार तक आधुनिक बनाने का कार्य प्राथमिकता पर होगा। दलहन से लेकर खाद्य तेल तक किसानों को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम कार्य करते रहेंगे। आने वाला समय हरित युग का है। हमारी सरकार की नीतियां, प्रगति, प्रकृति और संस्कृति के समागम की हैं। हम ग्रीन औद्योगीकरण पर निवेश बढ़ाएंगे। ग्रीन एनर्जी से लेकर ग्रीन मोबिलिटी तक हम भारत को सबसे आगे लेकर जाएंगे। भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एनडीए सरकार पूरी शक्ति से कार्य करेगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज का भारत वैश्विक समाधान का हिस्सा भी बन रहा है। हमने कोरोना के दौरान देखा है कि कैसे भारत की वैक्सीन क्षमता ने दुनिया को संकट से बचाने में मदद की। हमारे चंद्रयान ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करके स्पेस अन्वेषण के नए रास्ते खोले हैं। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक विश्व के हर विषय के लिए काम करना, भारत अपनी जिम्मेदारी समझता है। भारत को वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिरता और विविधता प्रदान करना भी अपना दायित्व समझता है। इसलिए भारत का विश्वबंधु के रूप में सबको गले लगा रहा है। मजबूत भारत, मजबूत विश्व का मजबूत स्तम्भ सिद्ध होगा। 21वीं सदी के भारत को आगे बढ़ने के लिए भारत को भ्रष्टाचार पर लगातार तेज प्रहार करना होगा। डिजिटल इंडिया और तकनीक ने भ्रष्टाचार के अनेक रास्ते बंद किए हैं लेकिन भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई दिनोंदिन कठिन हो रही है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए जब भ्रष्टाचार का महिमामंडन शुरू हो जाए और निर्लज्जता की सारी हदें पार हो जाएं तो भ्रष्टाचार को बहुत ताकत मिल जाती है इसलिए एनडीए सरकार का जोर हर प्रकार के भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने पर होगा। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए दल से बड़ा देश रहा है। भाजपा का कार्यकर्ता जन आकांक्षाओं, जन भावनाओं और जन अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन ध्येय पथ पर अड़िग रहने की प्रेरणा है। अपने ध्येय पथ पर आगे बढ़ते हुए हम देशहित को सर्वोपरि रखेंगे तभी अपने लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। हमारा संविधान हमारा मार्गदर्शक है और इसी वर्ष संविधान के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। केन्द्र की एनडीए सरकार सभी राज्यों के साथ मिलकर काम करेगी और विकसित भारत के लक्ष्य के लिए जमकर मेहनत करेगी। विकसित भारत और भारत के उत्तम भविष्य के लिए हमें निरंतर बड़े निर्णय लेने हैं।

श्री मोदी ने कहा कि केन्द्र से लेकर पन्ना स्तर तक की भाजपा संगठन की टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में अनेक चुनौतियों के बीच हिम्मत और समर्पण भाव से राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को जीते हुए इस चुनावी जंग में एनडीए को विजय दिलाई है और ये सभी कोटि कोटि अभिनंदन के पात्र हैं। आज देशवासियों ने मुझ पर, भारतीय जनता पार्टी पर और एनडीए पर बहुत बड़ी कृपा की है। मैं 140 करोड़ देशवासियों का पुनः आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपने एनडीए के सभी साथियों का भी हृदय से अभिनंदन करता हूं। मैं इस देश के महान लोकतंत्र और महान संविधान को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

देश को आत्मनिर्भर, समृद्ध बनाने के लिए कार्य : नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार को मिले जनादेश के उपलक्ष्य में पार्टी केंद्रीय कार्यालय विस्तार में आयोजित कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तीसरी बार एनडीए और मोदी सरकार बनाने के लिए देश की जनता का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी और केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलने पर देश की देवतुल्य जनता का आभार प्रकट किया और जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सबको स्मरण है कि चाहे चुनाव की बेला हो, देश के नेतृत्व करने की बात हो और देश को समस्याओं से निकालने का या आपदा को अवसर में बदलने में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा पार्टी को और देश की जनता का सामने से नेतृत्व किया है। एनडीए के साथी दल और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं के बीते कई महीनों से अथक प्रयास के करण जो जीत मिली है उसके लिए भारतीय जनता पार्टी आभार प्रकट करती है। देश के करोड़ों मतदाता जिन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्वास जताया और भारतीय जनता पार्टी को इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने में मदद की और एनडीए को अपना आशीर्वाद दिया ऐसे करोड़ों मतदाताओं का भारतीय जनता पार्टी अभिनंदन करती है और आभार प्रकट करती है। देश ने राजनीति में एक नई करवट ली है और 2014 के बाद एक नया इतिहास रचा है। 2014 के बाद आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार का गठन हुआ जिसे 2019 में भी भारत की देवतुल्य जनता का आशीर्वाद मिला। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों के कारण फिर से 2024 में जनता के आशीर्वाद के साथ भाजपा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के इस इतिहासिक पल की साक्षी बन रही है।

आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एनडीए के गठन के पश्चात यह गठबंधन भारत की राजनीति में तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहा है। जो लोग देश हित के लिए काम करते हैं उन्हें चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है और उन चुनौतियों से लड़ कर के देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करते है। लेकिन वहीं कुछ लोग जिनके लिए खुद का स्वार्थ महत्वपूर्ण होता है और खुद के स्वार्थ के लिए गठबंधन करते हैं एवं स्वार्थपूर्ण तरीके से लोक लुभावने वादे कर के सरकार बनाना चाहते हैं ऐसे लोगों को देश की जनता सबक सिखाती है और इनका इकोसिस्टम है, जो देश के विकास की दृष्टि से जुड़ी हुई चीजें हैं उन्हें नाकार देता है। बंगाल में 3 सीटों से बढ़कर 77 सीट हो जाती है लेकिन उसकी चर्चा नहीं होती और कह दिया जाता है कि हम हार गए, वे लोग भूल जाते हैं कि भाजपा के मतप्रतिशत में काफी बढ़ोतरी हुई है। आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में ओडिशा मो पहली बार विशुद्ध भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन रही है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में एनडीए का परचम लहराया है। अरुणाचल प्रदेश में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बन रही है।

> कुछ लोग जिनके लिए खुद का स्वार्थ महत्वपूर्ण होता है, स्वार्थ के लिए गठबंधन करते हैं एवं स्वार्थ पूर्ण तरीके से लोक लुभावने वादे करते हैं, उन्हें देश की जनता भली-भांति सबक सिखाती है।

श्री नड्डा ने कहा कि ओडिशा में भाजपा ने 40% मतों के साथ 80 सीटों पर जीत प्राप्त की, आंध्र प्रदेश में भी एनडीए के साथी दल ने प्रचंड जीत दर्ज की है और लोकसभा में भी जनता ने भाजपा और एनडीए को विजयी बनाया है। केरल में भी भाजपा का खाता खुला है और कमल खिला है और सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का वोट

प्रतिशत बढ़ा है। 2014 में देश की गरीब माँ के बेटे देश के प्रधानमंत्री बने और श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत में रहने वाले लोगों के दुखों को आत्मसात किया। तीसरे कार्यकाल में देश के सभी 70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को भी यह सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं को गैस सिलेंडर, हर घर जल से नल पहुंचाया गया और लोगों को बैंक से जोड़ने का काम किया गया।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था और बैंकिंग क्षेत्र एक लड़खड़ा गई थी और दुनिया में भी भारत का ताकत कम हो गई थी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत के बैंकिंग और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की गई, जिसकी सराहना दुनिया ने की। 2014 में भारत विश्व की 11 वें स्थान की अर्थव्यवस्था था, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की 5 वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गांव को मजबूती मिली, गरीबों को ताकत प्रदान की गई, दलितों को सम्मान दिया गया, युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा किया गया, महिलाओं का सम्मान किया गया, किसानों को मुख्यधारा में लाया गया और वंचित–पीड़ितों को आगे बढ़ाया गया।

श्री नड्डा ने कहा कि विपक्ष ने पिछले 10 वर्षों में नकारात्मक सोच के साथ काम किया और कोई भी सकारात्मक योगदान नहीं दिया। अभी भी विपक्ष को लगता है कि देश में एक ही परिवार राज कर सकता है, रस्सी जल गई मगर बल नहीं गया। चुनाव के दौरान विपक्ष ने झूठ फैलाया, झूठे वीडियो से जनता को बर्गालाने का काम किया और प्रजातांत्रिक मर्यादाओं को ताक पर रखा। विपक्ष ने हार की बौखलाहट में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अपशब्द कहे। देश की जनता ने बारम्बार अवसरवादी गठबंधन को खारिज किया और 2024 में भी इस गठबंधन को हार का मुंह देखना पड़ा। विपक्ष को अपना आत्म निरक्षण करने की आवश्यकता है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए का गठबंधन मजबूती से आगे बढ़ेगा और देश को आगे ले जाने का काम करेगा। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए का प्रत्येक कार्यकर्ता देश को सामर्थ्यवान, सक्षम, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा और देश को विकसित बनाने के लिए कार्य करेगा।

विकसित भारत, विकसित ओडिसा

@अमित शाह

गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने ओडिशा विधानसभा के चुनाव परिणाम में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के लिए ओडिशा की जनता का धन्यवाद और साधुवाद व्यक्त किया। ज्ञात हो कि ओड़िशा विधान सभा में पहली बार भारतीय जनता पार्टी को अकेले स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ है। साथ ही ओड़िशा के लोक सभा चुनाव में भी भाजपा को 21 में से 19 सीटों पर शानदार जीत मिली है।

श्री शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि भाजपा को महाप्रभु जगन्नाथ जी की पुण्यभूमि की सेवा करने का मौका देने के लिए ओड़िशा की जनता का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मिली यह जीत 'विकसित भारत, विकसित ओडिशा' के संकल्प को सिद्ध करेगी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि मैं ओड़िशा की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि ओड़िया भाषा, ओड़िया संस्कृति और ओड़िया साहित्य को बढ़ावा देते हुए प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा समर्पण भाव से कार्य करेगी।

अमृतकाल का विकसित भारत

हृदयनारायण दीक्षित

'विकसित भारत' का स्वप्न संकल्प पूरा होने की गारंटी है। यह संकल्प प्रधानमंत्री मोदी का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार शपथ लेने जा रहे हैं। भारत के इतिहास में तीन बार का कार्यकाल केवल नेहरू को मिला था। मोदी जी ने अपने 10 वर्षीय कार्यकाल में तमाम चमत्कारिक काम किए ह। भारतीय जन गण मन उन्हें प्यार और आदर देता है। उनके नेतृत्व में देश में राष्ट्रीय स्वाभिमान की नई इबारत लिखी गई है। भारतीय संस्कृति सारी दुनिया में लोकप्रिय हुई है। जम्मू कश्मीर विषयक संविधान के अनुच्छेद 370 का निरसन सारी दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय रहा है। अधिकांश सामाजिक राजनैतिक कार्यकर्ता इसे असम्भव बता रहे थे। कुछ टिप्पणीकार अनुच्छेद 370 के समाप्त करने में सांप्रदायिक दंगों का खतरा देख रहे थे। लेकिन इस सबकी परवाह न करते हुए मोदी सरकार ने 370 को हटा दिया। यह कार्य एनडीए की सरकार ही कर सकती थी। मोदी जी ने तमाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को शीर्ष सम्मान दिलाया। संस्कृति के क्षेत्र में इस सरकार के कार्यकाल में तमाम आश्चर्यजनक कार्य हुए हैं। कई मुस्लिम देशों ने भी भारतीय संस्कृति को सम्मान दिया है। संयुक्त अरब अमीरात में दुबई में राम कथा चली। दुबई के तमाम प्रतिष्ठित लोगों ने हिस्सा लिया। इसी तरह प्रधानमंत्री ने अबुधाबी में मंदिर का लोकार्पण किया। सेकुलरपंथी मंदिर के नाम पर बेजा टिप्पणियां करते हैं। लेकिन मोदी ने देश की सांस्कृतिक प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया। करतारपुर साहिब में श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा बहाल कराई। कैलाश मानसरोवर के तीर्थ यात्री अव्यवस्था से पीड़ित थे। चीन में होने के कारण इसकी व्यवस्था कठिन थी। मोदी जी के नेतृत्व में कैलाश मानसरोवर की यात्रा आसान हो गई। भारतीय धर्म और संस्कृति की प्रतिबद्धता सांप्रदायिक नहीं है। मंदिर जाना, दर्शन करना भी सांप्रदायिकता नहीं है।

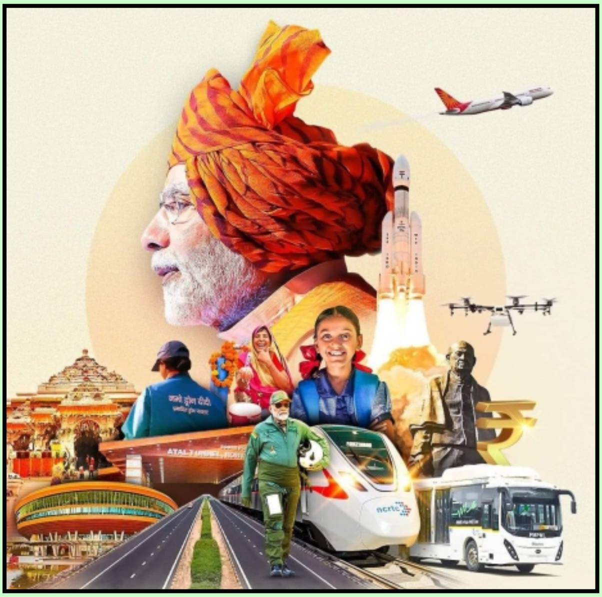

मोदी जी की सरकार के समय भारत के प्रत्येक जन के हृदय में उमंग और उल्लास रहा है। किसानों और गरीबों को हर तरह से समृद्ध बनाने के फैसले किए गए। मोदी ने राष्ट्रीय समृद्धि का संकल्प लिया। देश के प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प लिए गए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय ब्रिटिश राजनेता भारत की शासन करने की क्षमता का मजाक उड़ाते थे। ब्रिटिश विद्वान भारतीय दर्शन को भाववादी बताकर उपहास उड़ाते थे। इंग्लैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री चर्चिल ने कहा था कि, "भारत जाति पंथ में विभाजित समाज है। वे शासन नहीं चला पाएंगे।" बात–बात में यूरोप की प्रशंसा करने वाले टिप्पणीकार शर्मिंदा होंगे कि शासन न चला पाने की भारतवासियों की क्षमता वाली बात झूठ निकली। भारत में 78 वर्ष से स्वशासन और सुशासन की धारा का प्रवाह है। हम 18वीं लोकसभा चुन चुके हैं। इस बीच भारत ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में आश्चर्यजनक उन्नति की है। कृषि वैज्ञानिक एम0 एस0 स्वामीनाथन के नेतृत्व में हुई हरित क्रांति याद किए जाने योग्य है। राजग सरकार ने मोदी जी के नेतृत्व में स्वामीनाथन को भारत रत्न दिया है।

मोदी जी की सरकार के समय भारत के प्रत्येक जन के हृदय में उमंग और उल्लास रहा है। किसानों और गरीबों को हर तरह से समृद्ध बनाने के फैसले किए गए।

भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति सारी दुनिया के विद्वान आकर्षित होते रहे हैं। इस ज्ञान परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति की

क्षमता और योग्यता को प्रत्येक दृष्टि से संपन्न बनाने का ध्येय सर्वविदित है। दरअसल पश्चिम से आयातित सेकुलर विचार के विद्वानों ने भारतीय परंपरा को लगातार अपमानित किया है। मोदी जी ने भारत के स्वाभाविक विचार प्रवाह को प्रोत्साहन दिया। सांस्कृतिक प्रतीक स्वाभिमान के विषय थे और हमेशा रहेंगे। प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन कार्यक्रम में श्रेष्ठ भारत का स्वप्न रखा। इस कार्यक्रम से कथित प्रगतिशील सेकुलर मोदी पर योजना बनाकर हमलावर हुए। कथित ज्ञानी वर्ग ने प्रधानमंत्री के काशी कार्यक्रम को संविधान की भावना का अपमान बताया। आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री ने धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर अच्छा नहीं किया। लेकिन मोदी जी ने ऐसी टिप्पणियों की परवाह नहीं की।

2014 के पूर्व भारत का मन उदास था। अब मोदी जी के नेतृत्व में पूरे भारत में उल्लास है। पहले भारत का मन मजहबी राजनीति को लेकर आहत था। अब भारत का आत्मविश्वास यत्र तत्र सर्वत्र व्यापक हो गया है। सभी क्षेत्रों में उमंग और उल्लास का वातावरण है। धर्म संस्कृति के मामले में भी भारत का मन हीन भाव में था। आयातित सेकुलर पंथ का दुष्प्रभाव था। राजनैतिक वातावरण भी उत्साहवर्धक नहीं था। अब सब साथ–साथ हैं। परस्पर मैत्री और मिलजुलकर काम करने का वातावरण प्रत्यक्ष है। उन्होंने 'सबका साथ और सबका विकास' के नारे को सही सिद्ध कर दिया है। उनके संकल्प में देश का विश्वास है।

योग भारत का प्राचीन विज्ञान और दर्शन है। यह विश्व को भारतीय साधना का अद्वितीय उपहार है। मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में योग की मान्यता का प्रस्ताव किया। मोदी के प्रस्ताव को 170 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उन्होंने अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के शिलान्यास में हिस्सा लिया। श्रीराम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में भी वे उपस्थित रहे। यह मंदिर राष्ट्र का स्वप्न था। स्वप्न सच हो रहा है। उन्होंने केदारनाथ मंदिर में 15 घंटे साधना की। वे हाल ही में कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक पर 45 घंटे ध्यानरत रहे। वे भारत के सांस्कृतिक प्रतीकों की प्रतिष्ठा बढ़ाते हैं। इस प्राचीन देश की मूल चेतना को प्रतिनिधित्व देते हैं। वे बांग्लादेश की यात्रा में ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। देवी की उपासना की। नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर गए। पूजा और उपासना की। धर्म संस्कृति के प्रति सेकुलरों द्वारा बढ़ाया गया हीन भाव समाप्त हो रहा है। लोक में प्राचीन संस्कृति के प्रति आदर व आत्मविश्वास बढ़ा है।

10 साल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण ने सिद्ध कर दिया है कि धर्म और संस्कृति की प्रतिबद्धता साम्प्रदायिकता नहीं है। मंदिर जाना रूढ़िवादिता नहीं है। गंगा जैसी पवित्र नदियों को प्रणाम करना पिछड़ापन नहीं है। श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की प्रत्यक्ष उपासना रूढ़िवादिता नहीं है। वातावरण बदल चुका है। भारत की जीवन शैली और सांस्कृतिक प्रतीकों का सम्मान बढ़ा है। अब हिन्दू और हिन्दुत्व की उपेक्षा संभव नहीं है। सेकुलर राजनीति में सक्रिय वरिष्ठ महानुभाव भी हिन्दू प्रतीकों से जुड़ रहे हैं। हिन्दुत्व पर सबकी सर्वानुमति है।

मनभावन अमृत काल का अंतर्संगीत मोहक है। हिन्दू मान्यताएं सर्वमान्य हो रही हैं। भारतीय विचार के विरोधी सेकुलर पंथ की विदाई तय हो चुकी है। कला, काव्य शिल्प के क्षेत्र में भी सांस्कृतिक जागरण का जादू है। भारत का वातावरण प्रेममय हो गया है। संस्कृति तत्व लोकमान्य हो चुके हैं। नई तरह का नवजागरण है। इस राष्ट्र जागरण में भारत की रीति की प्रतिष्ठा है। भारत की प्रीति का अभिनन्दन है। यह सब काम आसान नहीं था। पहले हिन्दू होना पीड़ादाई था। अब हिन्दू होना सौभाग्यशाली होना है। यह नामुमकिन था लेकिन मोदी के कारण मुमकिन हो चुका है। समूचा विश्व भारत की लगातार बढ़ रही प्रतिष्ठा को ध्यान से देख रहा है। मोदी के पांच प्रण–'2047 तक विकसित भारत', 'गुलामी के अहसास से आजादी', 'विरासत पर गर्व', 'एकता व एकजुटता पर जोर' व 'नागरिकों का कर्तव्य'–भारत के प्रण संकल्प हैं। राष्ट्र इनसे प्रतिबद्ध है। तीसरे कार्यकाल में ढेर सारी संभावनाएं हैं। प्रत्येक क्षेत्र में सामर्थ्य की बढ़ोत्तरी होगी। भारत की विश्व प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) की हैट्रिक

रमेश शर्मा

चुनाव में भाजपा और एनडीए गठबंधन को पिछले चुनाव की तुलना में सीटें तो कुछ कम हुईं, लेकिन पिछले 62 वर्षों में लगातार तीसरी बार बहुमत प्राप्त करने का कीर्तिमान एनडीए गठबंधन और नरेंद्र मोदी के नाम हो गया है। नरेंद्र मोदी की गणना ऐसे राजनेताओं में भी है जो अपने जीवन में कभी कोई चुनाव नहीं हारे।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। इस गठबंधन ने कुल 291 सीटें जीतीं, इसमें भाजपा ने 240 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इंडी गठबंधन को कुल 234 सीटों पर जीत मिली, इसमें काँग्रेस ने 99 सीटें जीतीं। 18 सीटें अन्य के खाते में गई हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी तीसरी पारी के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकेत दिया।

भारत की अठारहवीं लोकसभा का स्वरूप सामने आ गया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिला और लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मोदीजी के नेतृत्व में इस गठबंधन ने पहला लोकसभा चुनाव वर्ष 2014 में लड़ा था और पूर्ण बहुमत लेकर सरकार बनाई थी। दूसरी सफलता 2019 में मिली थी और अब यह तीसरी जीत है। इस गठबंधन को वर्ष 2019 की तुलना में भाजपा को प्राप्त मत प्रतिशत में तो वृद्धि हुई है, लेकिन सीटों की संख्या घटी है। भाजपा को वर्ष 2019 में 37 प्रतिशत वोटों के साथ कुल 303 लोकसभा सीटें और गठबंधन को 353 सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन को 291 सीटें ही मिल सकीं और भाजपा को 240। इस प्रकार गठबंधन को पिछली बार की तुलना में 62 सीटों का नुकसान है। वर्ष 2019 की तुलना में भाजपा को 37 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि इस बार 38 प्रतिशत वोट मिले हैं।

इस चुनाव में भाजपा और एनडीए गठबंधन को पिछले चुनाव की तुलना में सीटें तो कुछ कम हुईं, लेकिन पिछले 62 वर्षों में लगातार तीसरी बार बहुमत प्राप्त करने का कीर्तिमान एनडीए गठबंधन और नरेंद्र मोदी के नाम हो गया है। नरेंद्र मोदी की गणना ऐसे राजनेताओं में भी है जो अपने जीवन में कभी कोई चुनाव नहीं हारे।

मोदीजी के नाम और काम को सफलता

एनडीए ने यह चुनाव प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे करके ही लड़ा था। मोदीजी के नाम, उनके काम पर और उनकी साख पर देश के 46.2 प्रतिशत मतदाताओं ने एनडीए पर अपना विश्वास जताया है। भाजपा और एनडीए गठबंधन ने नारा दिया था "मोदी की गारंटी"। मोदीजी ने पूरे चुनाव अभियान में सर्वाधिक सक्रियता का कीर्तिमान भी बनाया। मोदीजी ने पूरे भारत में किसी भी पार्टी के किसी भी नेता से अधिक सभाएं और रैलियां करके आक्रामक प्रचार किया। चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की थी। मोदीजी उस दिन दक्षिण भारत में थे। उन्होंने वहीं से चुनाव प्रचार आरम्भ किया और ३० मई को पंजाब के होशियारपुर में अपने प्रचार अभियान का समापन किया। उन्होंने कुल 206 जनसभाएं और रोड शो किए। इस लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में इतनी सभाएं और रोडशो किसी भी पार्टी के किसी नेता ने नहीं किए। यह मोदी जी के चेहरे और उनके प्रचार अभियान का परिणाम ही है कि भाजपा और उसके दलों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ा है। लोकसभा चुनाव के साथ उड़ीसा और आंध्र प्रदेश विधान सभा के चुनाव भी हुए। 147 सदस्यीय उड़ीसा विधानसभा में भाजपा ने कुल 78 सीटे जीती हैं। यह सरकार बनाने के लिए आवश्यक 74 सीटों से 4 अधिक है। इस प्रकार भाजपा उड़ीसा में सरकार बनाने जा रही है। आंध्र प्रदेश में भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। यहां इस गठबंधन को बहुमत मिला। भाजपा ने आंध्र प्रदेश में लोकसभा की 3 और विधानसभा में 8 सीटे जीती हैं। इसके साथ केरल में भी भाजपा ने और एक सीट पर जीत दर्ज करके अपना प्रभाव बनाया। केरल में भाजपा को पहली बार सफलता मिली है। तमिलनाडु में भाजपा को कोई सीट तो नहीं मिली, लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ा है। इस बार तेलंगाना में भाजपा ने 8 सीटे जीतीं, जबकि पिछली बार यह संख्या 4 थी।

भाजपा ने दिल्ली, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, हिमांचल प्रदेश, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में क्लीन स्विप किया है। इन प्रांतों में सभी लोकसभा सीटें भाजपा ने जीतीं। वहीं गुजरात

और छत्तीसगढ़ प्रांतों में कांग्रेस को केवल 1 सीट ही मिल सकी है, शेष सभी सीटें भाजपा ने जीतीं।

मत प्रतिशत बढ़ने और नई सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत मिलने के बावजूद भाजपा को जिन प्रांतों में नुकसान हुआ है, उनमें सर्वाधिक नुकसान उत्तर प्रदेश में हुआ। जहां 4 केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए, इनमें अमेठी से स्मृति ईरानी भी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त सुल्तानपुर से मेनका गांधी और अयोध्या में भाजपा उम्मीदवार की हार भी आश्चर्यचकित करने वाली है। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त राजस्थान, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में भी भाजपा को नुकसान हुआ। इस नुकसान के पीछे मुस्लिम मतों का ध्रुवीकरण और हिंदू मतों में जातिगत विभाजन माना जा रहा है। विपक्षी गठबंधन में सबसे अधिक लाभ समाजवादी पार्टी को हुआ, वर्ष 2019 में समाजवादी पार्टी को केवल पांच सीटें मिलीं थीं, जबकि इस बार सपा ने 37 सीटें जीतकर उत्तर प्रदेश में भाजपा को भी पीछे कर दिया है। विपक्षी गठबंधन में दूसरा बड़ा लाभ कांग्रेस को हुआ। यद्यपि कांग्रेस को 99 सीटे ही मिलीं हैं और वह 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई, पर वर्ष 2019 की तुलना में दुगनी सीटों पर पहुंच गई है। विपक्षी गठबंधन में तीसरा बड़ा लाभ पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को हुआ। विपक्ष इंडी गठबंधन को अपेक्षाकृत अधिक सफलता का श्रेय उनकी रणनीति को है। उनका मुख्य उद्देश्य मोदी को हराना था। इसके लिए विपक्ष ने तीन प्रकार की रणनीति से काम लिया। विपक्ष गठबंधन तो बनाया था, पर जहां आवश्यक हुआ वहां वे एक दूसरे के विरुद्ध भी बोले और जहां आवश्यक हुआ वहां एक साथ खड़े भी हो गए। इससे विपक्षी वोट का विभाजन रुका। इसके साथ विपक्ष ने अपने प्रचार अभियान में दो बातों पर जोर दिया। एक तो आरक्षण के बहाने जातिगत मुद्दा उछाला और दूसरा नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोला। राम मंदिर मुद्दे पर देश में भावनात्मक एकत्व का भाव देखा गया। भाजपा अपनी स्थापना से राम मंदिर पर खुलकर बात करती रही है। यह माना जाता है कि राम मंदिर निर्माण से भारत में आई भावनात्मक जाग्रति का लाभ भाजपा को मिलेगा। विपक्ष ने इस सामाजिक एकत्व में सेंध लगाने के लिए ही जातिगत और ओबीसी आरक्षण के मुद्दे का जमकर प्रचार किया। परिणामों में इसकी झलक भी है। इन परिणामों में यह संकेत भी मिल रहा है कि मुस्लिम मतदाताओं ने बहुत चुप रहकर पूरी ताकत से मतदान किया। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिली हार वाले अधिकांश क्षेत्र मुस्लिम बाहुल्य एवं मजबूत जातिगत समीकरण वाले रहे हैं।

एनडीए गठबंधन ने जितनी ताकत से मोदीजी के चेहरे को आगे किया, विपक्ष ने उसी शैली में मोदीजी पर हमले किए। मोदीजी के भाषणों में उठाए गए बिंदुओं को नकारात्मक बताया और व्यक्तिगत हमले भी किए। विपक्ष के इंडी गठबंधन में आतंरिक मतभेद के बावजूद मोदी विरोध के लिए सबका स्वर एक था। मोदी के विरुद्ध कही गई किसी भी बात पर सब मिलकर हमला बोलते थे।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अपने दोनों कार्यकाल में संकल्पशील निर्णयों के लिए जाने जाते हैं। उनके निर्णयों में आत्मनिर्भर भारत निर्माण का लक्ष्य होता है। इसके लिए व्यक्ति का अपनी परंपराओं से जुड़ना और संस्कृति पर गर्व करना आवश्यक है। मोदीजी के दोनों कार्यकाल में लिए गए निर्णयों का यही आधार है। एक समृद्ध और आत्म निर्भर भारत के लिए शुचिता आवश्यक है। इसके लिए कदाचार मुक्त समाज जीवन और प्रशासन होना चाहिए। लोकसभा के परिणाम आने के तुरंत बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भविष्य की योजनाओं का संकेत भी दिया और कहा कि भारत को गरीबी से मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए हर वर्ग के विकास के लिए योजनाएं बनाई जाएगी। नरेंद्र मोदी ने यह भी स्पष्ट संकेत दिया कि प्रशासन को कदाचार मुक्त किया जाएगा। उनके संकल्प पर सभी एनडीए घटक दलों ने भी सहमति दी। यह भी माना जा रहा है कि मोदी जी के इस संकल्प में तीसरी शक्ति के रूप में जो अन्य 18 सांसद चुनाव जीते हैं, उनमें से कुछ इस अभियान को सफल बनाने सहयोग कर सकते हैं।

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिए चुनाव प्रकिया का भी कीर्तिमान बना। 16 मार्च को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हुई थी और 4 जून को परिणाम आए। इस प्रकार कुल यह चुनाव अभियान कुल 80 दिन चला। यह भी अपने आप में एक रिकार्ड है। कुल 7 चरणों में मतदान हुआ। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को और अंतिम सातवें चरण का मतदान 1 जून को हुआ। इससे पहले 7 चरणों में लोकसभा चुनाव कभी नहीं हुए।

इस चुनाव में छोटे बड़े कुल 51 राजनैतिक दल मैदान में आए और 543 लोकसभा सीटों के लिए कुल 8360 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया। 4 जून को प्रातः 8 बजे वोटों की गिनती शुरु हुई। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिने गए, उसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती आरम्भ हुई।

इस बार विभिन्न स्थानों में पूरी चुनाव प्रक्रिया में कुल 39 स्थानों में पुनर्मतदान की स्थिति बनी। यह भी अब तक चुनावी इतिहास में सबसे कम हैं। पिछली बार वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में ही 540 स्थानों में पुनर्मतदान की स्थिति बनी थी। इस चुनाव में 96.88 करोड़ मतदाता थे, इनमें से कुल 64.3 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 33.1 करोड़ पुरुषों ने और 31.2 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह कुल मतदाताओं का 66.3 प्रतिशत है, यह भी अपने आप में एक कीर्तिमान है।

युवाओं को दिशा देती मोदी सरकार की क्रांतिकारी योजनाएं

अरुण सिंह

अमृतकाल के इस दौर में भारत को विकसित बनाने का दारोमदार युवाओं पर है। इसलिए 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार के केंद्र में आते ही युवा शक्ति पर विशेष रूप से फोकस किया गया था।

युवाओं के पूर्ण सामर्थ्य को निखारने और पहचान देने के साथ इसे देश के आर्थिक विकास व समृद्धि में उपयोग करने हेतु मोदी सरकार की कई योजनाएं देश में सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं एवं युवाओं को इसका पूर्ण लाभ मिल रहा है। आइये, इन योजनाओं और उसके लाभार्थियों की चर्चा करते हैं—

कौशल विकास योजना

पीएम कौशल विकास योजना दो तरह के प्रशिक्षणों (शार्ट-टर्म ट्रेनिंग एवं अपस्किलिंग) के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए है। जुलाई, 2015 में प्रारम्भ होने के बाद से अक्टूबर, 2023 तक 1.4 करोड़ से अधिक युवाओं को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमोशन योजना युवाओं को उद्योग और नौकरी पर पेशेवर प्रशिक्षण/व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने में मदद करती है एवं इस योजना के माध्यम से 28 लाख से अधिक युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

समाज के कम शिक्षित वर्ग को त्वरित रूप से देश के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जन शिक्षण संस्थान योजना के अंतर्गत गैर-साक्षरों, नव-साक्षरों और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15-45 वर्ष के आयु वर्ग के 8वीं कक्षा, प्रारंभिक स्तर वाले और 12वीं कक्षा तक स्कूल छोड़ने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। वित्त वर्ष 2018-19 से 22.58 लाख से अधिक व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण से सशक्त बनाया गया है।

शिक्षण संस्थानों एवं कौशल विकास का मजबूत तंत्र

मोदी सरकार के कार्यकाल में हर साल एक नया IIT और IIM खोला गया, 10 वर्षों में प्रति सप्ताह एक विश्वविद्यालय स्थापित किया गया एवं हर दिन दो कॉलेज स्थापित किये गए। 16 नए IIIT खोलकर डिजिटल इंफ्रा आधारित औद्योगिक क्रांति की दिशा में मजबूत कदम उठाया गया जो चौथी औद्योगिक क्रांति में एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा। चिकित्सा क्षेत्र में 53% MBBS सीटों तथा 80% परास्नातक (चिकित्सा) सीटों में बढ़ोतरी करते हुए अधिक डॉक्टरों की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

CUET के द्वारा सभी विश्वविद्यालयों में समान प्रवेश परीक्षा सुनिश्चित करते हुए मानकीकरण किया गया। सरकार के प्रयासों से उच्च शिक्षा में महिलाओं का प्रवेश 28% बढ़ा है। कौशल भारत मिशन के तहत देश भर में स्थित 34,468 PMKVY (प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों सहित), 309 जन शिक्षण संस्थानों, 15,016 आईटीआई और 42,453 NAPS प्रतिष्ठानों द्वारा कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर भारत को श्रम शक्ति के रूप में स्थापित कर दुनिया भर की रोजगार आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से स्वावलम्बन

स्वावलम्बन से युवाओं को शक्ति प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से छोटे कारोबारी और युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन प्रदान किया गया। कोई भी व्यक्ति जो स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का मुद्रा लोन प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब तक 19 करोड़ युवाओं को कर्ज दिया जा चुका है। अब सरकार का लक्ष्य योजना का विस्तार करते हुए 30 करोड़ युवाओं तक पहुंचने का है। यानी कि 11 करोड़ नए युवाओं को इस योजना के तहत कर्ज दिया जाएगा। उद्यमियों के लिए बिना गारंटी 50 लाख रुपए तक के ऋण की योजना भी लाई जाएगी।

रोज़गार सृजन से विकसित भारत

2017 और 2022 के बीच कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में 4.69 करोड़ नए ग्राहकों का शामिल होना रोजगार सृजन का एक प्रत्यक्ष एवं उल्लेखनीय प्रमाण है। 15 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने में एमएसएमई क्षेत्र ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसमें 3.4 करोड़ महिलाएं हैं। खादी उद्योग ने भी काफी प्रभाव डाला है, 2014 से 2022 तक 1.75 करोड़ से अधिक नई नौकरियां पैदा की हैं, अकेले चालू वित्तीय वर्ष में 9.54 लाख नई नौकरियां पैदा करके एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है।

पीएम मुद्रा योजना ने 2015 और 2018 के बीच 1.12 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजन किया। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में 2014 और 2019 के बीच लगभग 6.24 करोड़ नौकरियों का सृजन हुआ। पर्यटन क्षेत्र ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, 2017 से 2020 तक 1.9 करोड़ अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कीं। पीएमकेवीवाई ने 24.51 लाख से अधिक युवाओं की नियुक्ति की सुविधा प्रदान की, जबकि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के कारण 9.39 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी मिली।

स्टार्टअप इंडिया — स्टैंडअप इंडिया

मोदी सरकार की योजनाओं से भारत में इस समय 1.15 लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप हैं, जो 2014 में मात्र 350 थे। स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसी सरकारी पहल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके

परिणामस्वरूप 100 से अधिक यूनिकॉर्न भारत में पैदा हुए हैं। 52% स्टार्टअप टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। ये स्टार्टअप 10.34 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करते हैं और ई-कॉमर्स, फिनटेक, एडटेक और स्वास्थ्य तकनीक जैसे क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देते हैं।

नवाचार को बढ़ावा

आज देश के स्कूलों में 10,000 अटल टिंकरिंग लैब्स जैसे प्लेटफार्मों द्वारा प्रोत्साहित किए जाने पर, 56 विविध क्षेत्रों में नवाचार फल-फूल रहा है और देश में पेटेंट की संख्या में वृद्धि देखी गई है। भारत ने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 40वां स्थान हासिल किया है, जो विशेष रूप से युवाओं के बीच नवाचार की बढ़ती भावना का प्रमाण है।

आत्मनिर्भर युवा से आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम प्रकार के व्यवसाय शुरू करने वालों हेतु है। वे इस योजना के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का लोन ले सकते हैं। इसके साथ ही इस योजना में लोन पर 25से 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी का भी प्रावधान है। मोदी सरकार ने कोविड से उपजे आर्थिक संकट से देश के युवाओं को निकालने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत योजना' की शुरुआत की है। 20 लाख करोड़ रुपए की इस योजना के तहत नौकरी से लेकर व्यवसाय तक के सभी क्षेत्रों को कवर करके लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया।

डिजिटल इंडिया मिशन

आरोग्य सेतु ऐप को 10 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। यह देश के डिजिटल आकांक्षाओं की एक बानगी है। इसी डिजिटल सामर्थ्य का प्रयोग करने हेतु सरकार द्वारा 2,74,246 किमी ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, जो भारत नेट कार्यक्रम का हिस्सा है, ने 1.15 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ा है। डिजिटल विश्व में भारत को आगे ले जाने हेतु मोदी सरकार द्वारा पीएम वाणी योजना लाया गया है।

वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (PM-WANI) से देश भर में सार्वजनिक वाईफाई सेवा का बड़ा नेटवर्क का निर्माण किया जा रहा है जिससे लोगों में रोज़गार को बढ़ावा मिलेगा। ई-स्किल योजना के द्वारा जिस कौशल विकास की संकल्पना साकार हो रही है उनमें गांव के युवा सहभाग कर वैश्विक जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास सुनिश्चित कर रही है।

ई-संजीवनी कार्यक्रम 9 लाख से अधिक ऑनलाइन स्वास्थ्य परामर्श पूरा कर चुका है।

कृषि को युवाओं से जोड़ने की कवायद

युवा उद्यमियों हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में एग्री स्टार्टअप शुरू करने हेतु कृषिवर्धक निधि की स्थापना कर युवाओं को कृषि सामर्थ्य के साथ

जोड़कर भारत की कृषि से जुड़ी लगभग 50% आबादी के व्यावसायिक स्तर में सुधार करना तथा GDP में कृषि के योगदान को बढ़ाकर युवा किसानों को बल प्रदान करना। ई-नैम, राष्ट्रीय कृषि बाजार के रूप में एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है जो कृषि वस्तुओं के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय बाजार स्थापित करने के लिए एपीएमसी और अन्य बाजार को जोड़ता है।

नई शिक्षा नीति से वैश्विक ज्ञान शक्ति बनेगा युवा

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के स्तंभों पर आधारित है। इस नीति का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करना है जो सभी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके और भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में विकसित करके देश के परिवर्तन में सीधे योगदान दे। NEP-2020 के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में 'सकल नामांकन अनुपात को 26.3% (वर्ष 2018) से बढ़ाकर 50% तक करने का लक्ष्य रखा गया है, इसके साथ ही देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटों को जोड़ा जाएगा। छात्रों की प्रगति के मूल्यांकन के लिये मानक-निर्धारक निकाय के रूप में 'परख' (PARAKH) नामक एक नए 'राष्ट्रीय आकलन केंद्र' (National Assessment Centre) की स्थापना की जाएगी।

खेलो इंडिया से भारत विश्व की नई खेल शक्ति

2017-18 में खेलो इंडिया का प्रारम्भ किया गया था एवं इसका उद्देश्य संगठित प्रतिभा पहचान, मानक खेल प्रतियोगिताओं और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से जमीनी स्तर पर भारत की खेल संस्कृति में सुधार करना था।

जिला स्तर पर 1,000 से अधिक 'खेलो इंडिया सेंटर' शुरू हो चुके हैं। मोदी सरकार ने योग्य 23 लाख स्कूली छात्रों को खेल के क्षेत्र में आवश्यक अवसर प्रदान कर रही है। 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के तहत खिलाड़ियों को प्रति माह 50,000 रुपये का भत्ता, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आवश्यक तकनीकी सुविधाएं, सामग्री और उपकरण दिए जाते हैं। सरकार ने 'खेलो इंडिया' के तहत प्रति एथलीट प्रति वर्ष 6.28 लाख रुपये का भुगतान करने का प्रावधान किया है।

मोदी सरकार हर संभावित क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा और क्षमता को निखारने का प्रयत्न कर रही है, जिससे कि युवा अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ ही अपने आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए देश के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

बदलती दुनिया में कहां खड़ा है भारत

एस. जयशंकर

आज दुनिया में काफी उथल-पुथल मची है। कई देश कोविड महामारी से हुए सामाजिक-आर्थिक नुकसान से उबरने में लगे हैं। यूक्रेन में चल रहे संघर्ष से ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ा है। अक्टूबर 2023 में इस्राइल पर हुए आतंकी हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुई लड़ाई गंभीर और व्यापक रूप ले सकती है। लाल सागर में ड्रोन और मिसाइल हमले वैश्विक शिपिंग को अस्त-व्यस्त कर रहे हैं। यहां तक कि अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती की नई लहर और खतरनाक हो गई है। एशिया में क्षेत्रीय दावे और कानूनों और समझौतों की अवहेलना ने नए तनाव पैदा कर दिए हैं।

भारत के लिए ज्यादा अनिश्चितताएं चीन के साथ LAC (Line of Actual Control) पर दबाव, सीमा पार से आतंकवाद के खतरे और म्यांमार की सीमा पर अस्थिरता से बढ़ी हैं। हालांकि इनमें से प्रत्येक को उचित प्रतिक्रिया दी गई है। लेकिन कुल मिलाकर ये स्थितियां आने वाले दिनों में एक मजबूत, समझदार और सक्षम नेतृत्व की जरूरत को स्पष्ट करती हैं।

कोविड युग ने अति-केंद्रीकरण के खतरों को प्रदर्शित किया है, चाहे वो manufacturing sector हो या technology। महत्वपूर्ण और उभरती टेक्नॉलजी का दायरा इसे और गंभीर बना देता है। ऐसे में अच्छा यही होगा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था भी जोखिम से मुक्त हो। ऐसा केवल विभिन्न क्षेत्रों में 'मेक इंडिया' को गति देने व लचीली और विश्वसनीय सप्लाई चेन से जुड़कर ही किया जा सकता है।

आज भारत अपने उम्दा बुनियादी ढांचे, बेहतर कारोबारी माहौल और अपेक्षित प्रतिभा की बदौलत आकर्षक निवेश गंतव्य है, लेकिन इसकी वजह हमारी राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत पूर्वानुमान है। पिछले दशक में जमीनी स्तर पर सुधार और डिलिवरी ही विदेशों में हमारी विश्वसनीयता के स्रोत रहे हैं। कई मायनों में वैश्वीकरण ने एक अंतरराष्ट्रीय वर्कप्लेस भी बनाया है, जिसका उपयोग भारत अपनी बेहतरी के लिए कर सकता है। इसके लिए हमारे कौशल बेस को बढ़ाना, मोबिलिटी समझौते करना और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा अहम तत्व हैं

डिजिटल क्षेत्र में भारत को एक विश्वसनीय और पारदर्शी देश के रूप में अपने रेकॉर्ड को और आगे ले जाना है। इसका मतलब हमें सेमीकंडक्टर क्षमताओं को बढ़ाना और सही डेटा पॉलिसी को अपनाना होगा। खुद को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ड्रोन, अंतरिक्ष और ग्रीन टेक्नॉलजी के युग के लिए भी तैयार करना होगा। साथ ही, देश की स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना होगा। इसके लिए दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है, जो टेक्नॉलजी की परिवर्तनकारी क्षमता को समझता हो और मजबूत विकास के लिए प्रतिबद्ध हो।

आज भारत अपने उम्दा बुनियादी ढांचे, बेहतर कारोबारी माहौल और अपेक्षित प्रतिभा की बदौलत आकर्षक निवेश गंतव्य है, लेकिन इसकी वजह हमारी राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत पूर्वानुमान है। पिछले दशक में जमीनी स्तर पर सुधार और डिलिवरी ही विदेशों में हमारी विश्वसनीयता के स्रोत रहे हैं। कई मायनों में वैश्वीकरण ने एक अंतरराष्ट्रीय वर्कप्लेस भी बनाया है, जिसका उपयोग भारत अपनी बेहतरी के लिए कर सकता है। इसके लिए हमारे कौशल बेस को बढ़ाना, मोबिलिटी समझौते करना और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा

शेष पृष्ठ 25 पर...

समग्र विकास को समर्पित सरकार

हरदीप सिंह पुरी

पिछले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया कि वर्ष 2047 में जब देश स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा होगा तब तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। दस वर्ष पहले तक यह दावा असंभव लगता। वर्ष 2013 में भारतीय अर्थव्यवस्था को 'फ्रैजाइल फाइव' करार देकर नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने लगा। उसके उलट भारत अभी विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने की राह पर है। यह कैसे संभव हुआ? पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक कल्याण कार्यक्रम लागू किया है, जिसका उद्देश्य लोगों के जीवन की गुणवता बढ़ाने और देश की उत्पादक क्षमता में सुधार लाना है। सरकार का दृष्टिकोण उसकी 'परिपूर्णता की राजनीति' में निहित है, जिसमें बुनियादी ढांचा सुरक्षा, ऊर्जा सामर्थ्य, हरित अर्थव्यवस्था, डिजिटल कनेक्टिविटी और विनीय समावेशन पर जोर है। योजना बनाना एक बात है और उसे धरातल पर उतारना दूसरी बात। मोदी सरकार इन दोनों ही मोर्चों पर खरी उतरी है। परिणामस्वरूप पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर निकले हैं। 'मोदी की गारंटी' आम नागरिकों को उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस सफलता में हमारे समाज के चार स्तंभों गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओं का सशक्तीकरण महत्वपूर्ण रहा है। एक समय गरीबी के चलते पहचाना जाने वाला भारत अब समृद्धि की राह पर है। गरीबों की भलाई के लिए कोविड महामारी के समय मोदी सरकार ने 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन देने की जो पहल की थी वह अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगी। शहरी क्षेत्र में पीएम स्वनिधि योजना ने उन स्ट्रीट वेंडरों को राहत प्रदान की, जिनके सामने एकाएक रोजगार की चुनौतियां आ गई थीं। इस योजना में अब तक 63 लाख से अधिक लाभार्थियों को 11,300 करोड़ रुपये ऋण प्रदान किया है। साथ ही इसने शहरी गरीबों को डिजिटल रुप से साक्षर होने में सक्षम बनाया है। पीएम किसान और पीएम फसल बीमा जैसी योजनाओं से आज 11 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में लैंगिक समानता के प्रमुखता दी जा रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया और जल जीवन मिशन एवं अमृत मिशन के तहत लगभग 14 करोड़ नल-जल कनेक्शन दिए गए। एक दशक पहले तक नल से जल की पहुंच केवल 17 प्रतिशत परिवारों तक थी, जो आंकड़ा बढ़कर अब 70 प्रतिशत तक हो गया है। पीएम आवास योजना के तहत लगभग चार करोड़ आवास निर्मित किए गए हैं। मोदी सरकार ने तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ और नए घर बनने का वादा किया है। उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन मंजूर किए जा चुके हैं, जिससे धुआं-रहित रसेई की सुविधा लगभग सभी तक पहुंच चुकी है, जो 2014 तक केवल 55.9 प्रतिशत परिवारों तक सीमित थी। महिलाएं इन योजनाओं की सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी हैं, जिसने उनके जीवन को गरिमापूर्ण तरीके से सुगमता प्रदान की है।

सामाजिक कल्याण योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे पर भी जोर दिया गया है। 2013-14 की तुलना में पूंजीगत व्यय में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई हैं, जो 3.92 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11.1 लाख करोड़ रुपये हो गया है

वहीं, आयुष्मान भारत जैसी योजना के माध्यम से स्वास्थ्य पर खर्च करीब 25 प्रतिशत कम हो गया है। निम्न-मध्यम वर्गीय भारतीयों को बीमारी के चलते गरीबी का दोहरा झटका झेलना पड़ता था, लेकिन इस योजना के जरिये प्रति वर्ष 55 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को पांच लाख रुपये तक की मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इससे भारतीय परिवारों को सालाना लगभग 60,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

सामाजिक कल्याण योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचे पर भी जोर दिया गया है। 2013-14 की तुलना में पूंजीगत व्यय में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई हैं, जो 3.92 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11.1 लाख करोड़ रुपये हो गया है। राजमार्गों की लंबाई 60 प्रतिशत बढ़ गई है। समूचे ग्रामीण इलाकों में करीब-करीब पक्की सड़कें बन गई हैं। सभी गांवों तक बिजली पहुंच गई है। हवाई अड्डों की संख्य दोगुनी हो गई है। मेट्रो रेल नेटवर्क लगभग चौगुना हो गया है। विश्व बैंक रैंकिंग के अनुसार हमारे लाजिस्टिक और औद्योगिक परिचालन में काफी सुधार हुआ है। देश में 390 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। सात नए आइआइएम और आइआइटी की स्थापना की गई है। एम्स की संख्या में तिगुनी वृद्धि हुई है। 51 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं। जनधन, आधार और मोबाइल यानी जैम के जरिये 33.43 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम सीधे

लाभार्थियों के खातों में भेजी गई है। जीएसटी, आइबीसी, परिसंपति मौद्रीकरण, श्रम कानून सुधार, स्टार्टअप इंडिया और पीएलआइ जैसे आर्थिक नीतियां अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने वाली सिद्ध हुई हैं। प्रति व्यक्ति आय भी छह गुना बढ़कर 15,000 डालर तक पहुंचने की संभावना है। वैश्विक निवेशक भी इस आशावाद को साझा करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारत को रिकार्डतोड़ एफडीआइ प्राप्त हो रहा है। घरेलू शासन के साथ-साथ वैश्विक शासन के मामले पर भी प्रधानमंत्री मोदीजी के राजनैतिक कौशल और दूरदर्शिता को सार्वभौमिक प्रशंसा मिली है।

मोदी सरकार की उपलब्धियां यही सिद्ध करती है कि सामाजिक न्याय को चरितार्थ करने वाली सर्वसमावेशी नीति ही विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम है। हमें विकास के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए देशहित में सक्रिय रहना होगा। 'राष्ट्र प्रथम' हमारे लिए सर्वोच्च मंत्र है। ■

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं शहरी कार्य मंत्री हैं)

पृष्ठ 23 का शेष ...

अहम तत्व हैं।

यह स्वाभाविक है कि दुनिया भारतीय लोकसभा चुनाव में गहरी दिलचस्पी ले। आखिरकार यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। यह चुनाव बाकी देशों के लिए एक बढ़ते प्रभाव वाले देश में आयोजित हो रहा है। इसके अलावा, हमारी चुनावी मशीनरी की क्वॉलिटी अन्य देशों के लिए उदाहरण है। महत्वपूर्ण है कि चुनाव में दिलचस्पी और हस्तक्षेप के बीच की रेखा को समझा जाए और उसका सम्मान किया जाए। जब अधिक जिम्मेदार लोग चुनिंदा मुद्दों पर टिप्पणी करते हैं, तो वे स्वयं के निहितार्थों को भी ध्यान में रखते हुए ऐसा कर सकते हैं। यह जीवन की सचाई है कि कई अन्य गतिविधियों की तरह ही राजनीति का भी वैश्वीकरण हो गया है, लेकिन व्यवस्था की आलोचना करने वाले अपने घरेलू चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने के लिए अगर बाहरी ताकतों को आमंत्रित करते हैं तो इससे हमें कोई लाभ नहीं होगा।

यह अमृत काल का पहला आम चुनाव है और युवाओं को इसके महत्व को पहचानना होगा। पिछले दशक ने हमें विकसित भारत के लिए गंभीरता से उम्मीद करने को एक आधार दिया है। हमारे विकास की नई गति को इसकी समावेशी प्रकृति और प्रौद्योगिकी की छलांग लगाने वाली क्षमता से बल मिला है। पहले के विपरीत, सुधार और आधुनिकीकरण को संकीर्ण रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसमें डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। मानव संसाधनों का पोषण, entrepreneurship को बढ़ावा देना और जीवनयापन की आसानी को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

औपचारिक और अनौपचारिक, अर्थव्यवस्था के दोनों ही क्षेत्रों में अवसर बढ़ रहे हैं। यहां तक कि नए फोकस क्षेत्र और वैल्यू एडिशन भी सामने आ रहे हैं। दुनिया ध्यान दे रही है कि हमारी डिजिटल रूप से सक्षम डिलिवरी ने बड़े पैमाने पर सोशल वेलफेयर सिस्टम (सामाजिक कल्याण प्रणाली) बनाया है, जिसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। चाहे कोवैक्सीन हो या कोविन, 5G स्टैक या UPI, चंद्रयान या गगनयान मिशन, हम तेजी से वैश्विक मानकों से मेल बना रहे हैं।

जैसे-जैसे भारत अपने भविष्यों के बारे में निर्णय लेने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हम सभी इसे पूरी तरह से समझें कि दांव पर क्या लगा है। भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, बल्कि यह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, जिसके जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। दुनिया चुनौतियां और अवसर दोनों प्रदान करती है और उन्हें व्यापक रूप से संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ आत्मविश्वास और अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता है। जैसे ही हम अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त करते हैं, हम वैश्विक व्यवस्था की दिशा भी तय कर रहे होते हैं। दुनिया इंतजार कर रही है और उम्मीद कर रही है कि फैसला स्पष्ट और निर्णायक होगा। ■

(लेखक विदेश मंत्री हैं)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस विशेष

सर्वे सन्तु निरामया: अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को अंतराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस घोषित किया गया हैं। योग साधना का महत्व भारत के इतिहास का अभिन्न अंग हैं। इसका सर्वाधिक प्रचार स्वामी विवेकानन्द जी ने किया था। इसके बाद अन्तराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है, जिसकी घोषणा 27 सितम्बर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्तराष्ट्र अमेरिका में अपने भाषण में की। जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की 193 सदस्यों की बैठक में अंतराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस के लिए हामी भर दी और 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस नाम दिया गया।

यहाँ पर हम आपको कुछ योगासन एवं उसे किस तरह से किया जाता है उसकी जानकारी देने जा रहे हैं, जोकि इसप्रकार है–

ताड़ासन

इसमें सीधे खड़े होकर धीरे– धीरे अपना पूरा वजन पंजे पर डालते हैं और एड़ी को उपर उठाते हैं। इस स्थिती को दौहरता हैं और इसी स्थिती में कुछ देर खड़े रहते हैं इसे होल्ड करना कहते हैं।

पादहस्तासन

सीधे खड़े होकर आगे की तरफ झुकते हैं और घुटने मोड़े बिना अपने पैरो के अंगूठे छूते हैं। इसके बाद अपने सिर को जन्घो पर टच करने की कोशिश करते हैं।

शीर्षासन

इसमें सिर के बल पर खड़ा हुआ जाता हैं।

त्रिकोणासन

इसमें सीधे खड़े होकर पैरो के मध्य कुछ जगह की जाती हैं। कमर से नीचे की तरफ झुकते हैं साथ ही बिना घुटने मोड़े सीधे हाथ से उलटे पैर के पंजे को एवम उलटे हाथ से सीधे पैर के पंजे को स्पर्श करते हैं।

वज्रासन

दोनों पैरो को मोड़ कर, रीढ़ की हड्डी को सीधा रख कर अपने हाथों को घुटनों पर रखते हैं।

शलभासन

इसमें पेट के बल लेता जाता हैं एवम हाथो और पैरो को सीधे हवा में खोल कर रखा जाता हैं।

धनुरासन

इसमें पेट के बल पर लेट कर हाथो से पैरो को पकड़ा जाता हैं। एक धनुष का आकार बनता हैं।

चतुरङ्गदण्डासन

इसमें उलटा लेट कर अपने हाथ के पंजो एवम पैर की उँगलियों पर शरीर का पूरा बैलेंस बनाया जाता हैं।

भुजङ्गासन

इसमें उल्टा लेट कर पेट, जांघ, घुटने एवम पैर के पंजे सभी जमीन पर होते हैं और शरीर के आगे का हिस्सा हाथों के बल पर उपर की तरह उठाया जाता हैं। इसमें हाथ की कोहनी थोड़ी सी मुड़ी हुई होती हैं।

ऐसे ही कई आसन है, जिन्हें आपको सीख कर रोजाना करना चाहिये। आसन दुबले एवम पतले सभी लोगो के लिए हितकारी हैं।

विशेष बात आसन करते वक्त व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के हिसाब से ही आसन करना चाहिये, सभी के शरीर का लचीलापन अलग होता हैं और वह उसी के मुताबिक आसन कर पाता हैं।

योग जीवन के लिए उतने ही जरुरी है, जितना की एक BP के मरीज को उसकी टेबलेट। किसी बीमारी में पड़कर फिर उसके इलाज के लिए इधर उधर भागना और बहुत खर्चा करना, इससे बेहतर हैं आज से ही योग के लिए वक्त निकालना। ना इसमें कोई खर्चा होता हैं और न ही कोई नुकसान। योग के बस फायदे होते हैं, जिन्हें

दुनिया के सभी लोगो ने माना है, इसलिए देश में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा हैं। दुनिया में बढ़ती हुई बीमारियों को देखते हुए यह बहुत अच्छा निर्णय हैं जो विश्वस्तर पर लिया गया हैं। जरुरी नहीं हैं कि योग के लिए कई घंटो का वक्त निकाला जाए, 30 मिनिट भी आपके लिए फायदेमंद होंगे। योग केवल मोटे लोगो या बीमार लोगो के लिए ही जरुरी नहीं हैं। योग व्यक्ति का सर्वांगिक विकास करता हैं। शारीरिक विकास के साथ मनो विकास भी करता हैं।

योग दिवस की घोषणा के पीछे एक ही उद्देश्य है, धर्म जाति से उपर उठकर समाज कल्याण के लिए एक शुरुआत करना। योग से जीवन के हर क्षेत्र में लाभ हैं इससे कई तकलीफों का अंत हैं। अतः सभी धर्म एवम जाति में योग के प्रति जागरूकता होनी चाहिये।

योग से शारीरिक तंदुरुस्ती तो आती ही हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मानसिक शांति मिलती हैं। इससे मन शांत रहता हैं एवम तनाव कम होता हैं। साथ ही यह शरीर की सभी क्रियाओं को नियंत्रित भी करता हैं। योग से जीवन के सभी भाव नियंत्रित होते हैं जैसे खुशी, दुःख, प्यार।

शरीर स्वस्थ रहता हैं :

योग से शरीर का ब्लड का प्रवाह नियंत्रित रहता है, जिससे शरीर में चुस्ती आती है, जो कि हानिकारक टोक्सिस को बाहर निकालती है, जिससे शरीर के विकार दूर होते हैं और रोगियों को इससे आराम मिलता हैं। साथ ही सकारात्मकता का भाव प्रवाहित होता हैं। जिससे शरीर स्वस्थ रहता हैं।

वजन कम होता हैं :

योग की सबसे प्रभावशाली विधा हैं सूर्य नमस्कार, जिससे शरीर में लचीलापन आता हैं। रक्त का प्रवाह अच्छा होता हैं। शरीर की अकड़न, जकड़न में आराम मिलता हैं। योग से वजन नियंत्रित रहता हैं। जिनका वजन कम है, वह बढ़ता हैं और जिनका अधिक हैं कम होता हैं।

चिंता का भाव कम होता हैं :

योग से मन एकाग्रचित्त रहता है, उसमे शीतलता का भाव आता है और चिंता जैसे विकारों का अंत होता हैं। योग से गुस्सा कम आता है, इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, जिससे शारीरिक एवम मानसिक संतुलन बना रहता हैं।

मानसिक शांति

योग से मन शांत रहता हैं. दिमाग दुरुस्त होता है, जिससे सकारात्मक विचार का प्रवाह होता हैं। सकारात्मक भाव से जीवन का नजरिया बदल जाता हैं। इन्सान को किसी भी वस्तु, अन्य इन्सान या जानवर में कुछ गलत दिखाई नहीं देता। किसी के लिए मन में बैर नहीं रहता.इस तरह योग से मनुष्य का मनोविकास होता हैं।

मनोबल बढ़ता हैं :

योग से मनुष्य में आत्मबल बढ़ता हैं, कॉन्फिडेंस आता हैं। जीवन के हर क्षेत्र में कार्य में सफलता मिलती हैं। मनुष्य हर परिस्थिती से लड़ने के काबिल होता हैं। साथ ही जीवन की चुनौतियों को उत्साह से लेता हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती हैं :

योग से उपापचय की क्रिया दुरुस्त होती हैं और श्वसन क्रिया संतुलित होती हैं जिससे मनुष्य में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती हैं। बड़ी से बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए शक्ति का संचार होता हैं। योग एवम ध्यान में बड़ी से बड़ी बीमारी के लिए उपाय हैं।

जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता :

योग को आप जादू भी कह सकते है, नियमित योग करने से जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता हैं। आत्मबल बढ़ता हैं, सकारात्मक भाव आता है, साथ ही आत्म विश्वास में भी वृद्धी होती है, जिससे जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता हैं।

उर्जा बढ़ती हैं :

मनुष्य रोजाना कई गतिविधियाँ करता है और दिन के अंत

में थक जाता है, लेकिन अगर वह नियमित योगा करता है, तो उसमे उर्जा का संचार होता हैं। थकावट या किसी भी काम के प्रति उदासी का भाव नहीं रहता। सभी अंगो को अपना कार्य करने के लिए पर्याप्त उर्जा मिलती है, क्यूंकि योग से भोजन का सही मायने में पाचन होता हैं जो दैनिक उर्जा को बढ़ाता हैं।

शरीर लचीला बनता हैं

योग से शरीर की जकड़न खत्म होती हैं। शरीर में वसा की मात्रा कम होती हैं जिससे लचीलापन आता हैं। लचीले पन के कारण शरीर में कभी अनावश्यक दर्द नहीं रहता। और शरीर को जिस तरह का होना चाहिये, उसकी बनावट धीरे–धीरे रोजाना योग करने से ठीक हो जाती हैं।

पहला अंतराष्ट्रीय योग दिवस (International yoga day)

योग का जन्म भारत के गर्त में कहीं छिपा हैं. हमारे ग्रंथो में योग का महत्त्व हैं जो अब पुरे विश्व का हिस्सा हैं। 21 जून साल 2015 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के खास आग्रह पर इस योग को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर उठाने और इसके महत्व को सभी को समझाने हेतु इसे विश्व स्तर पर मनाया गया। साल 2015 में यह पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह पहली बार हुआ था कि संयुक्तराष्ट्र अमेरिका में किसी प्रस्ताव को महज सो दिनों में पारित किया गया।

योग में कई गुण है, अतः इसके लिए दुनिया के सभी लोगो को जागना चाहिये. शारीरिक एवम मानसिक विकास के लिए हम सभी को एक दुसरे का साथ देना चाहिये, और इस दिशा में यह पहला बहुत बड़ा कदम हैं। अन्तराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को पूरी दुनिया में योग किया गया, जिसका सकारात्मक प्रभाव पुरे विश्व में पड़ा, क्यूंकि योग एक ऐसी विधा है, जिसे जिस स्थान पर बैठ कर अधिक से अधिक लोगो के साथ किया जाता हैं। उस जगह पर उतनी ही अधिक सकारात्मकता बढ़ती हैं और यह उर्जा सभी के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं।

योग में सभी आसन एवम प्राणायाम का विशेष महत्व होता है, लेकिन इसे किसी के सानिध्य में सीखने के बाद ही करना उचित होता है। गलत तरीके से आसन अथवा प्राणायाम करने से विकार उत्पन्न होते हैं. आसन में सूर्य नस्कार एवम ध्यान में सुदर्शन क्रिया बहुत अधिक प्रचलित हैं। अगर इन दोनों विधाओं को भी आप अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाते हैं तो आपको इसके अनगिनत लाभ होंगे और आप बीमारियों से कोसो दूर होंगे।

भारत को योग का जनक क्यों कहते हैं ?

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की बात हो रही है तो भारत की बात क्यों ना हो! क्योंकि योग का इतिहास भारत में ही है। माना जाता है की योग का इतिहास आज से 27000 साल पुराना है। कहते हैं की 200 ई.पू. महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र को लिखा था। योग संस्कृत से प्राप्त हुआ शब्द है, यही वजह है की एक समय यह सिर्फ हिन्दू धर्म के लोगों तक सीमित था। महर्षि पतंजलि ने अष्टांग योग के बारें में भी बताया, उन्ही की वजह से यह एक धर्म में ना रहकर सम्पूर्ण दुनिया में फैलाया गया। आज विज्ञान भी योग के महत्व को बताती है। आज योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा बना हुआ है चाहे वह स्वास्थ्य के लिए हो या आत्मशांति के लिए।

आस्था का उपहास !

नरेन्द्र भदौरिया

क्षणिक राजनीतिक उलटफेर को देखकर भारत के कुछ लोग बड़ी भूल कर बैठते हैं। वह नहीं जानते कि धार्मिक आस्था का उपहास बहुत भारी पड़ता है। जातीय अपमान यदि प्राणलेवा सिद्ध हो सकता है, तो फिर धार्मिक आस्थाएं भला इतनी सस्ती कैसे हो सकती हैं। भारत में एक ओर धर्म निरपेक्षता के नाम पर इस्लाम समर्थक कुछ दलों के नेताओं द्वारा आरक्षण की मांग की जा रही है, तो दूसरी ओर विद्वेष भड़काने के लिए हिन्दु संस्कृति, पूजा पद्धति, परम्पराओं और मान्यताओं को लेकर ओछी बातें की जा रही हैं।

चुनाव परिणामों के तत्काल बाद यह विमर्श उत्पन्न करने के प्रयास किये गये कि हिन्दुत्व की धार्मिकता का अब कोई अर्थ नहीं रह गया। भारत के अधार्मिक और धर्म विराधी समूह ऐसा कर रहे हैं। इनके पीछे विशुद्ध राजनीतिक उद्देश्य पूरा करने वाले लोग लगे हैं। यह सही है कि वामपन्थी बिरादरी का एक वर्ग सोशल मीडिया पर मनगढ़न्त बातें पोस्ट करके लम्बे समय से हिन्दुओं को चिढ़ाता आ रहा है। हिन्दुओं के सद्ग्रन्थों के कथानकों और प्रेरक कथाओं को तोड़ मरोड़ कर उपहास करने वालों की बाढ़ आ गयी है। देश में भाजपा को लोकसभा की कम सीटें मिलना इनके उन्माद का मुख्य कारण है। इसे वह अपनी जीत मान रहे हैं। आक्रामकता में उत्तर प्रदेश के दो विपक्षी दलों के कतिपय लोगों की संलिप्तता यह सिद्ध कर रही है कि आने वाले दिनों में धार्मिक आस्था को लेकर राज्य में टकराव पैदा करने के यत्न शुरू हो गये हैं। ऐसा टकराव करके प्रदेश में हिन्दुओं में जाति विद्वेष बढ़ाने की चेष्टा निहित है।

समझदारी का बाँध टूटना समाज के हित में नहीं होता। अपने मजहब को सर्वोपरि बताने वाले मुसलिम समाज से लम्बे अरसे से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह अपनी आस्था की परिधि को अपने तक सीमित रखे। किसी के मुख से अपनी प्रशंसा करना शोभा दे या न दे उसे यह अधिकार तो है कि अपने आप को सर्वोपरि बताये। किन्तु दूसरों की आस्था के प्रति निन्दा का भाव सार्वजनिक करना सर्वाधिक निन्दनीय है। उत्तर प्रदेश में ऐसी प्रवृत्ति बढ़ गयी है। जिसे हिन्दुओं के कुछ राजनीतिक समूह बढ़ावा देने में लगे हैं। तमाम रोकटोक के बाद भी लव जिहाद के प्रसंग बढ़ रहे हैं। विधिक प्रावधान इन्हें रोक नहीं पा रहे। ऐसी बाते बार–बार प्रकाश में आ रही हैं कि हिन्दु समाज की लड़कियों को मुसलिम युवक अपने चंगुल फंसाते हैं। फिर उनका मतान्तरण कराकर इस्लाम की स्त्री सम्पत्ति बना देते हैं। विधि वेत्ताओं को उन जटिलताओं का उल्लेख सरकार के समक्ष करना चाहिए, जिनके चलते लव जिहाद के मामले न्यायालयों से पुष्ट हो रहे हैं। वास्तविकता जानकर बड़ी बेचैनी होती है कि एक ओर सरकार कहती है कि लव जिहाद पर अंकुश लगाने के लिए कानून बन गया है तो दूसरी ओर न्यायालय की ढेहरी पर पहुँचते ही मतान्तरण और निकाह के यह मामले विधिक बन जाते हैं। निश्चित रूप से टकराहट का नया आधार तैयार हो रहा है। यह कहकर आंख नहीं बन्द की जा सकती कि लव जिहाद और धर्म परिवर्तन के विरुद्ध जितना कड़ा प्रतिबन्ध लगना चाहिए वह सम्भव नहीं हो पा रहा है।

मुसलिम समाज में महिलाओं का स्थान हिन्दु समाज से भिन्न

है। वस्तुतः हिन्दु समाज की यह बड़ी दुर्बलता है कि अनेक हिन्दु परिवार अपनी बहकी हुई लड़कियों को समझा पाने में विफल सिद्ध हो रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के विरुद्ध चुनाव जीते कुछ प्रत्याशियों ने अपनी जीत की रैलियों में हिन्दु आस्था को लेकर बड़े आघात किये। इण्डी गठबंधन के प्रत्याशी इमरान मसूद की रैली सर्वाधिक चर्चा का विषय रही। जिसमें उन्होंने देवी–देवताओं से लेकर लड़कियों के सन्दर्भ में भी अपमान जनक शब्दों का प्रयोग किया। ऐसी रैलियां लम्बे समय तक चर्चा का विषय बनी रहती हैं। विपक्ष के किसी बड़े नेता ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

अयोध्या में भाजपा की हार विपक्ष के निशाने पर रहना स्वाभाविक कहा जा सकता है। किन्तु श्रीराम से जोड़कर इस बात को उपहास का विषय बनाना आस्था पर आघात है। हद तो तब हो गयी जब राज्य के कई आततायियों पर योगी सरकार की कार्रवाई के विषय को भी चुनौती पूर्ण ढंग से उछाला गया। ध्यान रखना चाहिए कि योगी आदित्यनाथ की कार्रवाई विधिक परिधि के भीतर हुई है। जिसको कई बार अदालतों तक ले जाया गया। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने का श्रेय यदि योगी सरकार को न दिया जाय तो किसे दिया जाय। पूर्ववर्ती सरकार के समय सड़कों पर निकलना भय और संशय से भरा रहता था। उपद्रव करने वाले किस समाज के लोग थे यह भी पता है।

हिन्दु धर्म के लोगों की खरीद से नये तरह के सामाजिक भूचाल की पृष्ठभूमि बन रही है। मतान्तरण के कारण केरल जैसा धार्मिक राज्य टकराव का बड़ा अखाड़ा बना हुआ है। केरल में हिन्दु जनसंख्या अब मात्र 54.73 प्रतिशत बची है। जबकि केरल की हिन्दु धार्मिकता पूरे संसार में प्रसिद्ध थी। यहाँ मुसलिम जनसंख्या 27 प्रतिशत और ईसाई 19 प्रतिशत हो चुके हैं। हिन्दुओं के विरुद्ध मुसलमान और ईसाई मिलकर यहाँ सदैव आक्रामक रहते हैं। राजनीति के दो धड़े हैं। एक धड़े की अगुवाई कांग्रेस के पास है तो दूसरे धड़े की अगुवाई मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी के पास है। ईसाई और मुसलिम दोनों समुह हिंसा का भय दिखाकर हिन्दुओं पर दबाव बनाये रहते हैं। सत्ता सदा उन्हीं का साथ देती है।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के जाट बहुल अनेक जिले मुसलिम जनसंख्या के दबाव से राजनीतिक उलट पुलट करने में सक्षम हैं। बागपत जो चौधरी चरण सिंह का प्रिय क्षेत्र रहा है वहां मुसलिम जनसंख्या 27 प्रतिशत हो चुकी है। अलीगढ़ में 21.7 प्रतिशत तो मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बिजनौर, बुलन्दशहर, मेरठ और पीलीभीत जैसे जिले आने वाले चुनाव में हिन्दुत्व समर्थक प्रत्याशियों के लिए बड़ी टेढ़ी खीर सिद्ध होंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी मुसलिम जनसंख्या का विस्तार बहुत तेज गति से चल रहा है। बहराइच, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बस्ती, श्रावस्ती, गाजीपुर आदि जिलों मं मुसलिम नेताओं की धमक भविष्य का बखान करती है। यह कहना सही है कि उत्तर प्रदेश में 16 करोड़ 53 लाख से अधिक हिन्दु रह रहे हैं। ध्यान देने की बात है कि 2001 की जनगणना में कहा गया था कि उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में हिन्दु 80.61 प्रतिशत हैं। पर हिन्दुओं में धर्म नहीं जातीय स्वाभिमान का प्राबल्य है। चुनाव के समय हिन्दु अपनी जाति देखता है। जबकि मुसलमान और ईसाई मजहब व रिलीजन की बात करते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में जितने लोगों ने पिछले एक साल में हिन्दु धर्म छोड़कर इस्लाम स्वीकार किया उनमें 77 प्रतिशत हिन्दु थे। इनमें 63 प्रतिशत महिलाएं थीं। विश्व हिन्दू परिषद का कहना है कि उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष 12 लाख से अधिक हिन्दु या तो मुसलिम बन रहे हैं या फिर ईसाई। यह बदलाव इतना गम्भीर है कि इसे रोका नहीं गया तो बहुत घातक परिणाम सामने आएंगे।

अनेक बार ऐसे प्रश्न उठते हैं कि जिस तरह मुसलिम समुदाय के लिए मजहबी संगठन योजनाबद्ध रीति से कार्य कर रहे हैं। तो दूसरी ओर ईसाई रिलीजन के लिए मिशनरियां जुटी हैं। इन दोनों की कार्य प्रणाली को परिणाम परक बनाने के लिए धन की व्यवस्था करने से लेकर निगरानी तक का कार्य संस्थागत रूप में हो रहा है। तो फिर हिन्दु समाज के लोगों के लिए ऐसी व्यवस्था अब तक क्यों नहीं बन पायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, आर्य समाज, सिख और जैन पन्थ के विविध संगठन कार्यरत हैं। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार 76 लाख से अधिक हिन्दु साधु और संन्यासी विचरण करते रहते हैं। पर इनमें से कोई मतान्तरण को रोकने के लिए सीधे तौर पर क्रियाशील नहीं दिखायी देता। सरकारों की ओर से भी मतान्तरण रोकने के सन्दर्भ में तक दिया जाता है कि संविधान के प्रावधानी इस सन्दर्भ में बहुत लचीले हैं। कई राज्यो में ऐसे दलों की सरकारें हैं जो हिन्दुओं के मतान्तरण का खुला समर्थन करते हैं। लव जिहाद का विषय भी ऐसे दलों के समर्थन के चलते उग्र रूप लेता चला जा रहा है। मजहब और रिलीजन को मानने वाले समुदायों का संख्या बल प्रबल होने से यह समस्या विकराल हो गयी है।

पुण्यतिथि विशेष

स्वातंत्र्यवीर बिरसा मुंडा

स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए बिरसा मुंडा बलिदान हुए।

बिरसा मुंडा का जन्म 1875 के दशक में छोटा नागपुर में मुंडा परिवार में हुआ था। मुंडा एक जनजातीय समूह था जो छोटा नागपुर पठार में निवास करते था। बिरसा जी को 1900 में आदिवासी लोगो को भड़काने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन्हें 2 साल की सजा दी गई थी । और अंत में 9 जून 1900 मे अंग्रेजो द्वारा उन्हें एक धीमा जहर देने के कारण उनकी मौत हो गई।

सुगना मुंडा और करमी हातू के पुत्र बिरसा मुंडा का जन्म १५ नवम्बर १८७५ को झारखंड प्रदेश मेंराँची के खूंटी जिले के उलीहातू गाँव में हुआ था। साल्गा गाँव में प्रारम्भिक पढाई के बाद वे चाईबासा इंग्लिश मिडिल स्कूल में पढने गये। इनका मन हमेशा अपने समाज की ब्रिटिश शासकों द्वारा की गयी बुरी दशा पर सोचता रहता था। उन्होंने मुंडा लोगों को अंग्रेजों से मुक्ति पाने के लिये अपना नेतृत्व प्रदान किया। 1894 में मानसून के छोटानागपुर में असफल होने के कारण भयंकर अकाल और महामारी फैली हुई थी। बिरसा ने पूरे मनोयोग से अपने लोगों की सेवा की। 1 अक्टूबर 1894 को नौजवान नेता के रूप में सभी मुंडाओं को एकत्र कर इन्होंने अंग्रेजो से लगान (कर) माफी के लिये आन्दोलन किया। 1895 में उन्हें गिरफ़्तार कर लिया गया और हजारीबाग केन्द्रीय कारागार में दो साल के कारावास की सजा दी गयी। लेकिन बिरसा और उसके शिष्यों ने क्षेत्र की अकाल पीड़ित जनता की सहायता करने की ठान रखी थी और जिससे उन्होंने अपने जीवन काल में ही एक महापुरुष का दर्जा पाया। उन्हें उस इलाके के लोग "धरती बाबा" के नाम से पुकारा और पूजा करते थे। उनके प्रभाव की वृद्धि के बाद पूरे इलाके के मुंडाओं में संगठित होने की चेतना जागी।

1897 से 1900 के बीच मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के बीच युद्ध होते रहे और बिरसा और उसके चाहने वाले लोगों ने अंग्रेजों की नाक में दम कर रखा था। अगस्त 1897 में बिरसा और उसके चार सौ सिपाहियों ने तीर कमानों से लैस होकर खूँटी थाने पर धावा बोला। 1898 में तांगा नदी के किनारे मुंडाओं की भिड़ंत अंग्रेज सेनाओं से हुई जिसमें पहले तो अंग्रेजी सेना हार गयी लेकिन बाद में इसके बदले उस इलाके के बहुत से आदिवासी नेताओं की गिरफ़्तारियाँ हुईं। जनवरी 1900 डोमबाड़ी पहाड़ी पर एक और संघर्ष हुआ था जिसमें बहुत सी औरतें व बच्चे मारे गये थे। उस जगह बिरसा अपनी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। बाद में बिरसा के कुछ शिष्यों की गिरफ़्तारियाँ भी हुईं। अन्त में स्वयं बिरसा भी 3 फरवरी 1900 को चक्रधरपुर में गिरफ़्तार कर लिये गये। बिरसा ने अपनी अन्तिम साँसें 9 जून 1900 को राँची कारागार में लीं। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुण्डा को भगवान की तरह पूजा जाता है।

बिरसा मुण्डा की समाधि राँची में कोकर के निकट डिस्टिलरी पुल के पास स्थित है। वहीं उनका स्टेच्यू भी लगा है। उनकी स्मृति में रांची में बिरसा मुण्डा केन्द्रीय कारागार तथा बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय विमानक्षेत्र भी है।

मोदी का पुनः शपथ, चहुंओर हर्ष

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में बीते 10 वर्ष अभूतपूर्व विकास एवं जनकल्याणकारी युग के रूप में जनता–जनार्दन के सामने आये हैं। आगामी वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मजबूत सरकार भारत के गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी शक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहेगी एवं संपूर्ण विश्व में भारत की धाक को और भी बढ़ाएगी।

श्री चौधरी ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार आगे भी नई ताकत, अद्वितीय ऊर्जा और तीव्र गति के साथ देश की जनता की सेवा करने के साथ भारत को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प के साथ कार्य करेगी।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व लगातार तीसरी बार मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के अवसर का साक्षी बना है। मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार जनविश्वास के अनुरूप भारत की सांस्कृतिक पहचान एवं विकास के अपने एजेंडे को और भी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने का काम करेगी एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को चरितार्थ भी करेगी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश से शपथ लेने वाले मंत्रियों को भी अपनी शुभकामनाएँ देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह एवं श्री नितिन गड़करी, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं आज शपथ लेने वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को भी बधाई प्रेषित की।

जैसे ही नरेन्द्र मोदी सर्वसम्मति से एनडीए संसदीय दल के नेता चुने गये वैसे ही चहुंओर हर्ष व्याप्त हो गया। उत्तर प्रदेश के भाजपा मुख्यालय पर आतिशबाजी के साथ कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ो की थाप पर नाँच–गा कर हर्ष व्यक्त किया, पूरे प्रदेश में सभी सीनों पर विजय उल्लास दिखा। प्रदेश कार्यालय पर श्री गोविन्द नारायण शुक्ला, ब्रज बहादुर जी, शिवभूषण सिंह, विनय सिंह, आदि कार्यकर्ताओं ने हर्ष मनाया।

శ్రీ నరేంద్ర మోదీ గారి సమక్షంలో...

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोडः UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2024-26
जून प्रथम अंक 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।